Business Standard 21 February, 2017

Medical tourism to keep pharma sector in good health

The Indian pharmaceuticals market is expected to touch $55 billion in size by 2020 from $36.7 billion in 2016, growing at a compound annual growth rate (CAGR) of 15.92 per cent, and medical tourism will be the major growth driver, according to a study. The market expanded at a CAGR of 17.5 per cent during 2005-16, from $6 billion in 2005 to $36.7 billion in 2016. The country's health care sector is expected to have CAGR of 29 per cent during 2015-20 to reach $280 billion. PTI

ASSOCHAM IN THE NEWS

Rajasthan Patrika **21 February, 2017**

रिपोर्ट...

2020 तक 55 अरब डॉलर का हो जाएगा घरेलू फार्मा उद्योग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. घरेलू फार्मा उद्योग का आकार मौजूदा 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 तक 55 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। उद्योग संगठन एसोचैम ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट के साथ बनाई गई रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने कहा कि वर्ष 2020 तक देश में फार्मा उद्योग के विकास की रफ्तार 15.92 प्रतिशत सालाना रहने की उम्मीद है। वर्ष 2005 से 2016 के बीच यह 17.46 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ा है। वर्ष

2005 में इसका आकार छह अरब डॉलर था। 2020 तक भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा फार्मा बाजार बन जाएगा। यह दुनिया का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला फार्मा बाजार भी होगा। 2015 से 2020 के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के भी 29 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 280 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है।

ये फैक्टर्स बढ़ा रहे हैं इंडस्ट्री को

इसमें लोगों की बढ़ती आय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ना तथा स्वास्थ्य बीमा की आसान उपलब्धता का बड़ा योगदान होगा। विदेशों के इलाज के लिए आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या को भी एक बड़ा कारक बताया गया है। 2015 में स्वास्थ्य वीजा पर भारत आने वालों की संख्या 140 प्रतिशत बढ़कर 1,34,000 पर पहुंच गई थी।

Rashtriya Sahara 21 February, 2017

फार्मा उद्योग का विस्तार

नई दिल्ली। घरेलू फार्मा उद्योग का आकार मौजूदा 36.7 अरब डालर से बढ़कर वर्ष 2020 तक 55 अरब डालर पर पहुंचने की उम्मीद है। उद्योग संगठन एसोचैम ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट के साथ किए गए एक संयुक्त अध्ययन की रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने कहा कि वर्ष 2020 तक देश में फार्मा उद्योग के विकास की रफ्तार 15.92 फीसद सालाना रहने की उम्मीद है। वर्ष 2005 से 2016 के बीच यह 17.46 फीसद सालाना की दर से बढ़ा है। वर्ष 2005 में इसका आकार छह अरब डालर था।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Deshbandhu

21 February, 2017

रिपोर्ट / उद्योग संगठन एसोचैम की रिपोर्ट में खुलासा

2020 तक 55 अरब डॉलर का होगा फार्मा उद्योग

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। घरेलू फार्मा उद्योग का आकार मौजूदा 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 तक 55 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। उद्योग संगठन एसोचैम ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट के साथ किये गये एक संयुक्त अध्ययन की रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने कहा कि वर्ष 2020 तक देश में फार्मा उद्योग के विकास की रफ्तार 15.92 प्रतिशत सालाना रहने की उम्मीद है।

वर्ष 2005 से 2016 के बीच यह 17.46 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ा है। वर्ष 2005 में इसका आकार छह अरब डॉलर था। 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' नामक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 तक भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा फार्मा बाजार बन जायेगा। साथ ही यह दुनिया का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला फार्मा बाजार भी होगा। वर्ष 2015 से 2020 के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के भी 29 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 280 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। इसमें लोगों की बढ़ती आय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ना तथा स्वास्थ्य बीमा की आसान उपलब्धता का बड़ा योगदान होगा। विदेशों के इलाज के लिए आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या को भी एक बड़ा कारक बताया गया है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2015 में स्वास्थ्य वीजा पर भारत आने वालों की संख्या 140 प्रतिशत बढ़कर 1,34,000 पर पहुंच गयी थी। रोगियों के साथ उनके परिचारक के रूप में वीजा लेकर भारत आने वालों की संख्या भी 2013 के 42 हजार से बढ़कर वर्ष 2015 में 99 हजार पर पहुँच गयी। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल पहले छह महीने में ही करीब एक लाख पर्यटक स्वास्थ्य वीजा पर भारत आये। पश्चिम एशिया तथा अफ्रीका के देशों के साथ बंगलादेश, अफगानिस्तान, मालदीव, दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, भूटान तथा श्रीलंका से सबसे ज्यादा स्वास्थ्य पर्यटक भारत आते हैं। इनमें अधिकतर हृदय रोगों तथा कैंसर के इलाज, हड्डी एवं तंत्रिका तंत्र के ऑपरेशन और अंग प्रत्यारोपण के लिए यहां आते हैं।

- **दुनिया का तीसरा तेजी से बढ़ने वाला फार्मा बाजार होगा**
- **पिछले दस वर्षों में 17.46 प्रतिशत की दर से बढ़ा है क्षेत्र**

Naya India 21 February, 2017

2020 तक 55 अरब डॉलर का फार्मा उद्योग

नई दिल्ली ■ वार्ता

घरेलू फार्मा उद्योग का आकार मौजूदा 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 तक 55 अरब डॉलर पर पहुँचने की उम्मीद है। उद्योग संगठन एसोचैम ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट के साथ किये गये एक संयुक्त अध्ययन की रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने कहा कि वर्ष 2020 तक देश में फार्मा उद्योग के विकास की रफ्तार 15.92 प्रतिशत सालाना रहने की उम्मीद है। वर्ष 2005 से 2016 के बीच यह 17.46 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ा है। वर्ष 2005 में इसका आकार छह अरब डॉलर था।

'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल'नामक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 तक भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा फार्मा बाजार बन जायेगा। साथ ही यह दुनिया का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला फार्मा बाजार भी होगा। वर्ष 2015 से 2020 के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के भी 29 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 280 अरब डॉलर पर पहुँचने की उम्मीद है। इसमें लोगों की बढ़ती आय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ना तथा स्वास्थ्य बीमा की आसान उपलब्धता का बड़ा योगदान होगा।

विदेशों के इलाज के लिए आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या को भी एक बड़ा कारक बताया गया है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2015 में स्वास्थ्य वीजा पर भारत आने वालों की संख्या 140 प्रतिशत बढ़कर 1,34,000 पर पहुंच गयी थी। रोगियों के साथ उनके परिचारक के रूप में वीजा लेकर भारत आने वालों की संख्या भी 2013 के 42 हजार से बढ़कर वर्ष 2015 में 99 हजार पर पहुंच गयी।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल पहले छह महीने में ही करीब एक लाख पर्यटक स्वास्थ्य वीजा पर भारत आये। पश्चिम एशिया तथा अफ्रीका के देशों के साथ बंगलादेश, अफगानिस्तान, मालदीव, दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, भूटान तथा श्रीलंका से सबसे ज्यादा स्वास्थ्य पर्यटक भारत आते हैं। इनमें अधिकतर हृदय रोगों तथा कैंसर के इलाज, हड्डी एवं तंत्रिका तंत्र के ऑपरेशन और अंग प्रत्यारोपण के लिए यहाँ आते हैं। साथ ही पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों यूनानी, योग, ध्यान, आयुर्वेद तथा होम्योपैथ का आकर्षण भी बढ़ता जा रहा है।

अध्ययन में कहा गया है कि भारत में इलाज सस्ता है, लेकिन यहाँ रहने का खर्च काफी ज्यादा आता है जिससे कम आय वाले मरीजों के लिए विदेशों से यहाँ आकर इलाज कराना मुश्किल होता है। अन्यथा इस क्षेत्र में और तेजी से विकास की संभावना है। साथ ही चिकित्सा पर्यटन को लेकर निश्चित नियामक एवं समीक्षा ढाँचे की कमी से भी कई वैधानिक तथा आचार संबंधी मुद्दों का समाने आने इसके विकास में बाधक बनते हैं।

Navodaya Times

21 February, 2017

वर्ष 2020 तक 55 अरब डॉलर का होगा फार्मा उद्योग : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजैंसी): घरेलू फार्मा उद्योग का आकार मौजूदा 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 तक 55 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग संगठन एसोचैम ने इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमैंट के साथ किए गए एक संयुक्त अध्ययन की रिपोर्ट में यह बात कही है। उसने कहा कि वर्ष 2020 तक देश में फार्मा उद्योग के विकास की रफ्तार 15.92 प्रतिशत वार्षिक रहने की उम्मीद है। वर्ष 2005 से 2016 के बीच यह 17.46 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा है। वर्ष 2005 में इसका आकार 6 अरब डॉलर था।

'मैडीकल वैल्यू ट्रैवल' नामक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 तक भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा फार्मा बाजार बन जाएगा। साथ ही यह दुनिया का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला फार्मा बाजार भी होगा। वर्ष 2015 से 2020 के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के भी 29 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 280 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है।

इसमें लोगों की बढ़ती आय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ना तथा स्वास्थ्य बीमा की आसान उपलब्धता का बड़ा योगदान होगा।

विदेशों से इलाज के लिए आने वालों की बढ़ती संख्या को भी एक बड़ा कारक बताया गया है।